कुंडली मिलान

BOY

♥

GIRL

लाल किताब संहिता

Lal Kitab Samhita

Mohan Astrology

जन्म विवरण

BOY		GIRL
पुरूष	लिंग	स्त्री
20/12/1988	जन्म तिथि	28/6/1991
मंगलवार	वार	शुक्रवार
15:10:00 IST	जन्म समय	06:10:00 IST
INDIA	देश	INDIA
ASSAM	राज्य	ASSAM
SILCHAR	शहर	SILCHAR
092:47:00E	रेखांश	092:47:00E
024:49:00N	अक्षांश	024:49:00N
082:30:00E	मध्य रेखांश समय	082:30:00E
00:41:08	स्थानीय समग संस्कार	00:41:08
00:00:00	युद्ध / ग्रीष्म समय संस्कार	00:00:00
21:47:52	साम्पातिक काल	01:13:35
LEHRI	अयनांश	LEHRI
शुक	लग्न स्वामी	चन्द्र
कृतिका – 1	नक्षत्र चरण	पूर्वाषाढ़ा – 3
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	शुक
मंगल	राशी स्वामी	गुरू
क्षत्रिय	वर्ण	क्षत्रिय
चतुष्पद	वश्य	मानव
अग्नि	हंसक	अग्नि
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
मेढ़ा	योनि	वानर
राक्षस	गण	मनुष्य
पूर्व	युजां	अन्तय
अ	जन्म नाम अक्षर	फा
2045	विक्रमी संवत्	2048
1910	शक संवत्	1913
शुक्ल	पक्ष	कृष्ण
त्रायोदशी	जन्म समय की तिथि	प्रतिपदा
कृतिका	जन्मकालीन नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
सिद्ध	जन्मकालीन योग	ऐंद्र
मेष	जन्मकालीन राशी	धनु

© 2024, Mohan Astrology. All Rights Reserved. Contact Us: 09313131395

Mohan Astrology
RU-14, PITAMPURA, NEW DELHI
91+9313131395,9310008282

Visit us at www.mohanastrology.com Email-mohanastroindia@gmail.com

लाल किताब संहिता Lal Kitab Samhita

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

BOY **GIRL**

चरण	नक्षत्र	अंश	राशी	ग्रह	राशी	अंश	नक्षत्र	चरण
2	रोहिणी	15:38:00	वृष	लग्न	रोहिणी	02:46:42	पुनवर्सु	4
2	मूला	05:02:18	धनु	सूर्य	कृतिका	12:07:17	आर्द्रा	2
1	कृतिका	29:19:05	मेष	चन्द्र	आश्लेषा	21:54:39	पूर्वाषाढ़ा	3
2	रेवती	20:50:01	मीन	मंगल	रोहिणी	25:36:27	आश्लेषा	3
1	पूर्वाषाढ़ा	15:38:17	धनु	बुध	कृतिका	24:40:05	पुनवर्सु	2
3	कृतिका	03:57:57	वृष	गुरू	रोहिणी	20:00:47	आश्लेषा	2
2	अनुराधा	09:37:01	वृश्चिक	शुक	रोहिणी	26:38:28	आश्लेषा	3
4	मूला	10:32:01	धनु	शनि	गधा	11:45:13	श्रवण	1
3	शतभिषा	14:41:38	कुम्भ	राहु	आश्लेषा	25:57:39	पूर्वाषाढ़ा	4
1	पूर्वाफाल्गुनी	14:41:38	सिंह	केतु	कृतिका	25:57:39	पुनवर्सु	2
3	मूला	07:24:44	धनु	यूरेनस	आश्लेषा	18:25:29	पूर्वाषाढ़ा	2
1	पूर्वाषाढ़ा	15:44:05	धनु	नेपचून	आश्लेषा	21:51:03	पूर्वाषाढ़ा	3
1	विशाखा	20:29:35	तुला	प्लूटो	पुनवर्सु	24:02:47	विशाखा	2

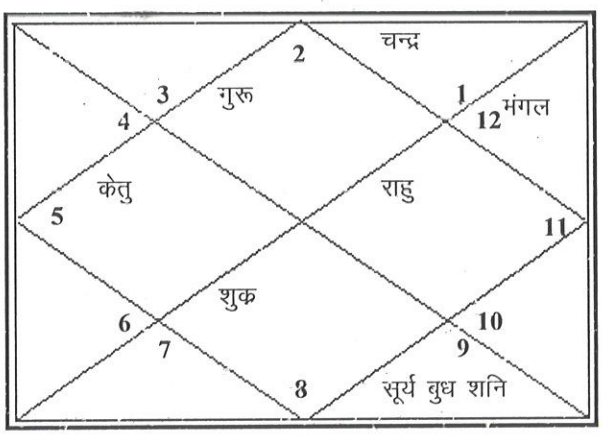

जन्म लग्न

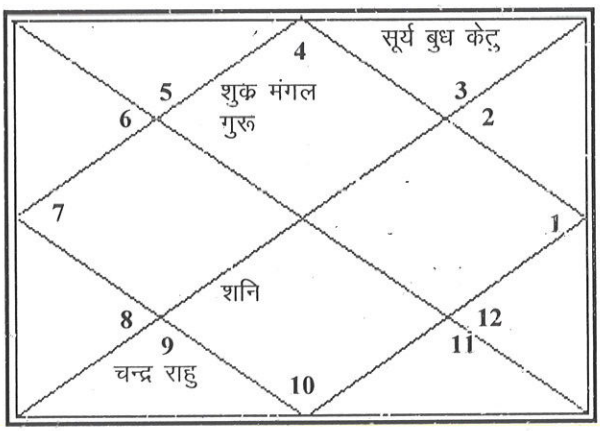

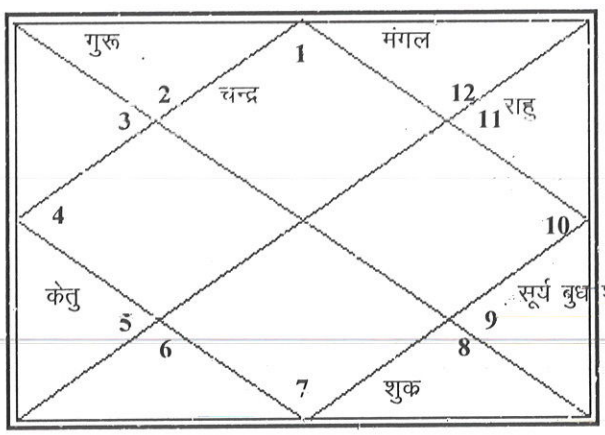

चन्द्र लग्न

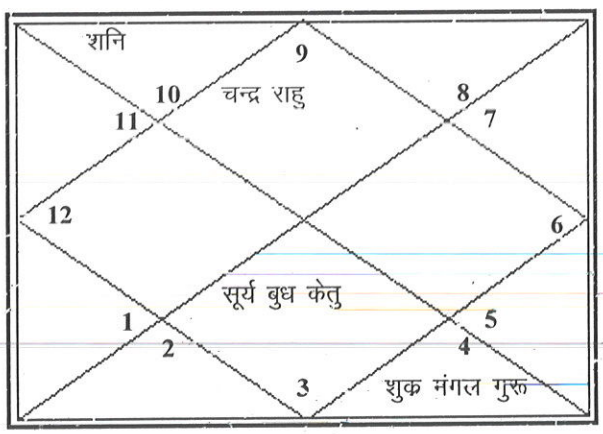

© 2024, Mohan Astrology. All Rights Reserved. Contact Us: 09313131395

Mohan Astrology
RU-14, PITAMPURA, NEW DELHI
91+9313131395,9310008282
Visit us at www.mohanastrology.com Email-mohanastroindia@gmail.com

लाल किताब संहिता Lal Kitab Samhita

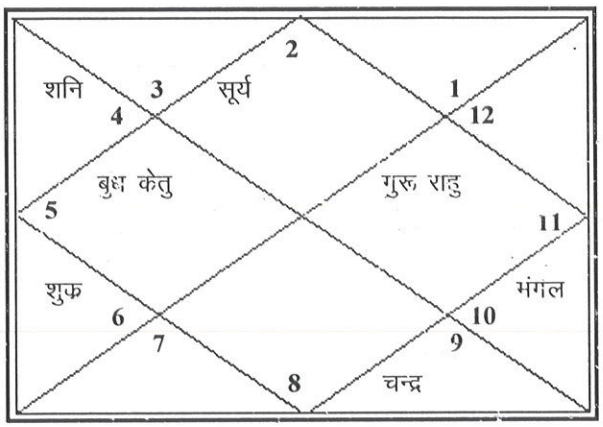

नवांश

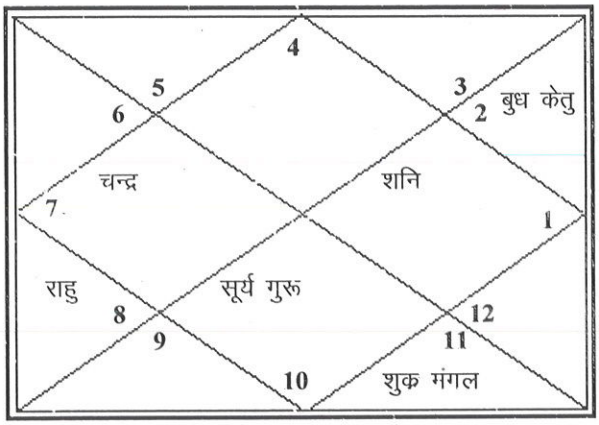

© 2024, Mohan Astrology. All Rights Reserved. Contact Us: 09313131395

Mohan Astrology
RU-14, PITAMPURA, NEW DELHI
91+9313131395,9310008282
Visit us at www.mohanastrology.com Email-mohanastroindia@gmail.com

लाल किताब संहिता Lal Kitab Samhita

BOY	GIRL
BIRTH DATE: 20 - 12 - 1988 BIRTH TIME: 15:10:00	BIRTH DATE: 28 - 6 - 1991 BIRTH TIME: 06:10:00

अष्टकूट गुण सारिणी–जन्म कुण्डली पर आधारित

कूट	पुरूष	स्त्री	दोष	अधिकतम	प्राप्त गुण	क्षेत्रा
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	---	1	1	कर्म
वश्य	चतुष्पद	मानव	---	2	1	प्रकृति
तारा	अतिमित्रा	सम्पत	---	3	3	भाग्य
योनी	मेढ़ा	वानर	हां	4	0	संतान
गृह मैत्री	मंगल	गुरू	---	5	5	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	हां	6	0	सामाजिकता
भकूट	मेष	धनु	हां	7	0	जीवन
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	---	8	8	आयु
कुल				36	18	

BOY का वर्ग गरूड है तथा GIRL का वर्ग मूषक है । इन दोनों वर्गों में परस्पर समता है। अष्टकूट मिलान के अनुसार BOY और GIRL का मिलान मध्यम है।

मंगलीक दोष मिलान

BOY मंगलीक नहीं है क्योकि मंगल लग्न कुंडली में 11 भाव में स्थित है।

GIRL मंगलीक है क्योकि मंगल लग्न कुंडली में 1 भाव में स्थित है। लेकिन

GIRL मंगलीक नहीं है क्योकि मंगल लग्न कुंडली में 1 भाव में और गुरू लग्न कुंडली में 1 भाव में स्थित है।

निष्कर्ष

अष्टकूट दोष न होने के कारण एवं मंगलीक दोष होने के कारण दोनों का मिलान टीक नहीं है। लेकिन यदि मंगलीक जातक जीवन भर मंगल वार का व्रत रखता है और विधि पूर्वक हर रोज हनुमान चालीसा का पाठ करता है, तो मंगल दोष शांत हो जाता है ।

© 2024, Mohan Astrology. All Rights Reserved. Contact Us: 09313131395

लाल किताब संहिता Lal Kitab Samhita

वर कन्या की कुंडली का मिलान

भारतीय ज्योतिष शास्त्र स्वेच्छा से अपना जीवन साथी चुनने का अधिकार किसी को भी नहीं देता है। इस विषय में उसके कुछ अनुशासन हैं। वर–कन्या के जीवन को सुख समृद्धिमय तथा उनमें आपसी सामंजस्य बनाने के लिए भारतीय ज्योतिष शास्त्र उनकी कुण्डली का मिलाना आवश्यक मानता है । जब कभी विवाह के लिए कुण्डली का मिलान किया जाता है तब केवल गुणों के आधार पर ही कुंडली न मिलाकर उसके जन्म के ग्रहों की स्थिति, संतान, आयु, आपसी सम्बन्धों को भी आधार बनाना चाहिए अन्यथा बाद में आपसी मतभेद पैदा होते हैं और कई बार तो गुण मिलने के बाद भी तलाक तक होते देखे गए हैं। कुंडली मिलान के समय उनके गुण व दोषों का विचार करना अति आवश्यक है ताकि बाद में किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। कुंडली मिलान के समय तीन चीजों का ध्यान रखना अति आवश्यक है ।

1 अष्टकूट विचार

अष्टकूट विचार क्या है कूट आठ प्रकार के होते हैं ।

1 वर्ण 2 वश्य 3 तारा 4 योनि 5 राशी मैत्री 6 गण 7 भकूट 8 नाडी इन आठों कूटों के गुणों का कुल योग किया जाएं तो 36 बनता है जिसमें कि शास्त्र के अनुसार 18 गुणों का मिलना आवश्यक है मगर यदि मंगली दोष हो तो गुणों के साथ उसका विचार भी करना आवश्यक है और उनमें कौन से गुण मिलना अति आवश्यक है यह भी ध्यान देने योग्य बात है।

कुछ कूटों का सम्बन्ध राशियों से तथा कुछ का नक्षत्रें से है । वर तथा कन्या की राशियों एवं नक्षत्रों से उनके वर्ण आदि कूट व गुणों की सख्या जानकर यह निर्णय करना चाहिए कि यह विवाह हो पाएगा या नहीं । राशियों का आपस में मैत्री होना बहुत जरूरी है अन्यथा बाद में आपसी मतभेद रहेंगे जिससे उनका दाम्पत्य जीवन नीरस बना रहेगा । राशियों के साथ–साथ गण का भी मिलान में एक अपना ही महत्व है । जैसे कि एक ही गण के नक्षत्रों वाले । वर कन्या का विवाह शुभ माना जाता है। देव व मनुष्य गुण के नक्षत्र वाले वर कन्या का विवाह भी शुभ माना जाता है लेकिन देव व राक्षस व मनुष्य व राक्षस गुण वालों के विवाह को शास्त्र स्वीकार नहीं करते । राक्षस गण की कन्या देव या मानव गुण वालों के लिए मृत्यु का कारण तक बन सकती है लेकिन राक्षस गण का वर देव या मानव गण की कन्या के लिए मारक नहीं हो सकता ।

अष्टकूट गुण मिलान तालिका

1 – 17 मिलान तुच्छ
18 – 21 मध्यम
22 – 28 उत्तम
29 – 36 सर्वोत्कृष्ट

नवांश कुन्डली से गुण मिलान

© 2024, Mohan Astrology. All Rights Reserved. Contact Us: 09313131395

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कई बार जन्म कुंडलियों के आधार पर मिलान नहीं होता लेकिन यदि नवांश–पति परस्पर मित्र हो तो विवाह शुभ माना जाता है। ऐसी स्थिति में नवांश कुन्डलियों के आधार पर जो गुण दोषों का प्रभाव आता है उसे भी यहां दर्शाया गया है ताकि देवज्ञ सही निर्णय ले सके ।

नवांश कुन्डली मिलान में भकूट में गुण मिलने पर व अष्टकूट मिलान होने पर ही मिलान शुभ होगा ।

© 2024, Mohan Astrology. All Rights Reserved. Contact Us: 09313131395

Mohan Astrology
RU-14, PITAMPURA, NEW DELHI
91+9313131395,9310008282
Visit us at www.mohanastrology.com Email-mohanastroindia@gmail.com

लाल किताब संहिता
Lal Kitab Samhita

मांगलीक दोष विचार

विवाह के समय पर सभी माता पिता यह जानने पर कि उनकी संतान मांगलीक है या नहीं चिंतित रहते हैं । किन्तु वह यह नहीं जानते कि कई प्रकार के परिहार ऐसे हैं जिनसे मांगलीक दोष समाप्त हो जाता है, कुन्डली मिलान में इन परिहारों की गणना होना अति आवश्यक है ।

शुद्ध विवाह काल निर्णय

पहला अष्टकूट विचार क्या है कूट आठ प्रकार के होते है 1 वर्ण 2 वश्य 3 तारा 4 योनि 5 राशी मैत्री 6 गण 7 भकूट 8 नाडी इन आठों कूटों के गुणों का कुल योग किया जाएं तो 36 बनता है जिसमें कि शास्त्र के अनुसार 18 गुणों का मिलना आवश्यक है मगर यदि मंगली दोष हो तो गुणों के साथ उसका विचार भी करना आवश्यक है और उनमें कौन से गुण मिलना अति आवश्यक है यह भी ध्यान देने योग्य बात है । कुछ कूटों का सम्बन्ध राशियों से तथा कुछ का नक्षत्रों से है । वर तथा कन्या की राशियों एवं नक्षत्रों से उनके वर्ण आदि कूट व गुणों की संख्या जानकर यह निर्णय करना चाहिए कि यह विवाह हो पाएगा या नहीं । राशियों का आपस में मैत्री होना बहुत जरूरी है अन्यथा बाद में आपसी मतभेद रहेंगे जिससे सारा दाम्पत्य जीवन नीरस बना रहेगा । राशियों के साथ–साथ गुण का भी मिलान में एक अपना ही महत्व है । जैसे कि एक ही गुण के नक्षत्रों वाले वर कन्या का विवाह शुभ माना जाता है। देव व मनुष्य गुण के नक्षत्र वाले वर कन्या का विवाह भी शुभ माना जाता है लेकिन देव व राक्षस व मनुष्य व राक्षस गुण वालों के विवाह को शास्त्र स्वीकार नहीं करते । राक्षस गुण की कन्या देव या मानव गुण वालों के लिए मृत्यु का कारण तक बन सकती है लेकिन राक्षस गुण का वर देव या मानव गुण की कन्या के लिए मारक नहीं हो सकता ।

अष्टकूट गुण मिलान के मुख्य परिहार

1 वर्ण विचार

यदि वर की राशी का वर्ण कन्या के राशी वर्ण से हीन हो, परन्तु राशीपति उत्तम वर्ण हो तो वर्ण मिलान शुभ होता है।

2 गुण विचार

वर कन्या के राशीपतियों में परस्पर वैर होने पर भी राशी नवांशपति परस्पर मित्रा हो तो विवाह शुभ माना जाता है। बृहज्योति सार

3 गुण दोष परिहार

1 राशीपतियों में परस्पर मित्राता या राशी–नवांश–पति में भिन्नता हो तो गुणदोष नहीं रहता । गर्ग मु चिन्तामणि च

2 ग्रह मैत्री तथा वर कन्या के नक्षत्रों की नाडियों में भिन्नता हो तो गुण दोष होने पर भी

© 2024, Mohan Astrology. All Rights Reserved. Contact Us: 09313131395

दोष नहीं होता । पीयूषधारा

3 इसी भान्ति तारा वश्य योनि ग्रह मैत्री तथा भकूट की शुद्धि होने पर कोई दोषपति नहीं होती । मुहूर्तमार्तण्ड

4 षडाष्टक परिहार

तारा – शुद्धि राशीश मैत्री, राशी वैश्य अथवा राशी स्वामी ग्रह समान होने पर षडाष्टक दोष भी ग्राह्य होता है। बृहत ज्योतिसार नव पंचम परिहार

नाडी दोष

पहला अष्टकूट विचार क्या है कूट आठ प्रकार के होते है 1 वर्ण 2 वश्य 3 तारा 4 योनि 5 राशी मैत्री 6 गण 7 भकूट 8 नाड़ी इन आठों कूटों के गुणों का कुल योग किया जाएं तो 36 बनता है जिसमें कि शास्त्र के अनुसार 18 गुणों का मिलना आवश्यक है लेकिन यदि गंगली दोष हो तो गुणों के साथ उसका विचार भी करना आवश्यक है और उनमें कौन से गुण मिलना अति आवश्यक है यह भी ध्यान देने योग्य बात है। कुछ कूटों का सम्बन्ध राशियों से तथा कुछ का नक्षत्रों से है । वर तथा कन्या की राशियों एवं नक्षत्रों से उनके वर्ण आदि कूट व गुणों की संख्या जानकर यह निर्णय करना चाहिए कि यह विवाह हो पाएगा या नहीं । राशियों का आपस में मैत्री होना बहुत जरूरी है अन्यथा बाद में आपसी मतभेद रहेंगे जिससे सारा दाम्पत्य जीवन नीरस बना रहेगा । राशियों के साथ–साथ गुण का भी मिलान में एक अपना ही महत्व है । जैसे कि एक ही गुण के नक्षत्रों वाले वर कन्या का विवाह शुभ माना जाता है। देव व मनुष्य गुण के नक्षत्र वाले वर कन्या का विवाह भी शुभ माना जाता है लेकिन देव व राक्षस व मनुष्य व राक्षस गुण वालों के विवाह को शास्त्र स्वीकार नहीं करते । राक्षस गुण की कन्या देव या मानव गुण वालों के लिए मृत्यु का कारण तक बन सकती है लेकिन राक्षस गुण का वर देव या मानव गण की कन्या के लिए मारक नहीं हो सकता ।

© 2024, Mohan Astrology. All Rights Reserved. Contact Us: 09313131395

लाल किताब संहिता Lal Kitab Samhita

Marriage Prediction

BOY

- आपका ज्यादातर समय सफर में गुजरेगा और उत्तम होगा या जब तक आप स्वयं कमाएं उस समय तक आप सफर और परदेस में होंगे।
आयु का कभी धोखा न होगा लेकिन आपको पुश्तैनी घर का आराम कम ही मिलेगा।
शादी, गृहस्थ और ससुराल की हालत और 25 साल की उम्र का समय उत्तम होगा और आप बुढ़ापे में उपदेश देंगे।
आपके मन में लम्बी आयु की इच्छा होगी किन्तु तरक्की से अर्थ नहीं।
आप पर अपने साथियों का असर गहरा होगा और आप उनके रंग में रंग जायेंगे और किसी दूसरे से एक रंग होने में प्यार का नाता कभी मंदा न जाएगा।
स्त्री उत्तम, नेक, स्वभाव होगी जब तक स्त्री रंग में हद से अधिक सफेद या अधिक सुंदर न हो या सफेद गाय न रखें, वह शुभ ही होगी। आपकी पत्नी किसी लेन देन या इधर--उधर के झगड़ों में दखल न देगी। आपका धन स्त्री के बहुत काम में लगेगा।
इश्कमिजाज़ी से सब धन–जायदाद बर्बाद होगी जिसका कारण आपकी अपनी खुदगर्जी होगी।
गुस्सा आपको नीच प्रभाव देगा।
आपकी आयु लगभग 85--90 वर्ष तक की होगी।
ससुराल के पुरूषों का आपके साथ कारोबार में सांझेदार होना धन और गृहस्थी खराबियों के बहाने होंगे।
700 ग्राम ज्वार व एक सफेद गाय का खिलौना दक्षिण–पश्चिम में रखें तो प्यार बढ़ेगा।

GIRL

- आपके चाचा, ताया, दादा–दादी सम्बन्धी आपकी धन हानि करवा सकते है आपको मकान, वाहन, मशीनरी आदि से भी धन हानि हो सकती है। गाय, बैल, आपका पत्नी व आपकी माता पर अशुभ प्रभाव हो सकता है। आपकी सगाई के दिन से शादी तक के समय के बीच आपकी ससुराल वालों को धन की हानि हो सकती है।

- शरीर पर एक रोमकूप से अगर एक–एक बाल पैदा हो रहा हो तो शनि नेक तथा उत्तम प्रभाव देगा।
आप हठधर्मी, देखने की बजाए सुनने पर भरोसा रखने वाले और तनहाई--पसंद होंगे।
मुफत का माल लेने से तथा बेईमानी से आपको परेशनियां झेलनी होंगी।
आई चलाई चाहे लाखों की होगी किन्तु जागीर की शर्त न होगी।
कलम विद्याता रिज़क उच्च गृहस्थी हालत।
जन्म समय आप चाहे मामूली इंसान हों किन्तु 36 साल की आयु में आप ज़रें से ऊंचा पहाड़ हो जाऐंगे। हर ओर अच्छा प्रभाव होगा।
दौलत हुकूमत का साथ होगा।
अगर आपकी शादी 22 साल की आयु तक न हो तो आपकी आंखों में बिना वजह अंधापन होगा। मकान बने–बनाये बहुत मिलेंगे।

© 2024, Mohan Astrology. All Rights Reserved. Contact Us: 09313131395

लाल किताब संहिता Lal Kitab Samhita

आप परोपकारी हों तो धन आयेगा वरना अंत में आपकी सम्पत्ति ट्रस्ट को जा सकती है, जो कि जिसके भी घर जाये उसी को तबाह कर आगे चल पड़े वाली माया होगी।
आप चालाक और होशियार होंगे।
आप यदि सरकारी नौकरी करें तो आपको 5 लड़कियों की शादी करने के बराबर धन मिलेगा और आप अमीरों में अमीर होंगे।
आप हजारों सफर करेंगे। आपमें बिना पुल बांधे ही समुद्र को पार करने की हिम्मत होगी।
आप अच्छे जीवन के स्वामी होंगे।
घर में लेटा हुआ पत्थर या पिलर उत्तम प्रभाव की निशानी होगा।
परस्त्री से प्यार करें तो अपनी संतान मंदी बल्कि व्यर्थ होगी,
आपका यदि सब कुछ बिक जाए, लेकिन जब तक पुराने पुश्तैनी मकान की दहलीज़ कायम हो सब कुछ वापस कायम होगा।
पुलिस और कैद गले पड़ने का कारण शराबखोरी होगी। अतः शराब न पिएं। खांड से भरकर बांसुरी बाहर दबाना शुभ होगा। शर्त यह कि शनि सोया ना हो अगर सोया हो तो शहद के बर्तन का उपाय मददगार होगा।
सफेद सुरमा, गसाले, काली गाय या उसकी तस्वीर, आक का पौधा दक्षिण–पश्चिम में रखें।

- आपकी आयु नेक व लम्बी होगी व आप अच्छा जीवन बिताने वाले होंगे।
आप बदजुबान इंसान हो सकते हैं। जो दूसरों को बेआराम करता हो।
यदि ग्रह मंदा प्रभाव दे रहे हों तो आप दिमाग में आई हुई बात को पूरा करने के लिए अपनी पूरी शक्ति लगा देंगे और बगैर सोचे समझे काम करेंगे।
मंदी हालत की पहली निशानी शराब पीनी शुरू होगी जिस के बाद झूठ और फरेब बढ़ता होगा यानि जुबान से सच्चे और अंदर से झूठे होने की आदत होगी। आप बेवकूफ, नालायक मित्रा होंगे जो बुरा करते समय अपना या किसी का भी भला न सोचेंगे।
चाहे कोई राजा हो चाहे निर्धन, आप सब की रात की नींद अचानक उजाड़ने वाले होंगे।
यदि आप लूट के किस्से सुनाने वाले या चुटकले सुनाने वाले हों तो कारोबार पर मंदा प्रभाव होगा।
किन्तु आपकी स्त्री चाहे रानी क्यों न हो निर्धन दुखी वैसे ही तंग होगी जैसे कि आप स्वयं।
आपकी पत्नी भी पागल होगी अतः संतान न होगी और माता–पिता को भी याद करते रहेंगे।
स्टॉक एण्ड शेयर्स, सट्टे का व्यापार मंदा प्रभाव देगा।
यदि आपने 25 वर्ष की उम्र में शादी की हो तो पत्नी व पिता दोनो रोते होंगे, मर्द और माया दोनों बर्बाद उम्र का हर तीसरा वर्ष बर्बाद होगा!
दांत 30 से कम या 32 से अधिक गंदे असर की निशानी होगी।
शरीर पर हरे रंग के कपड़े, हीरा, पन्ना, तगाड़ी, पेटी और टोपी का प्रयोग खराब होगा और सिर का ढांचा जुबान, दांत नाड़ियां नाक का अगला हिस्सा खराबी का कारण होगा। खोटे सिक्के आदि से धनहानि, बेइज्जती और फिजूल परेशानी होगी। गबन, बेईमानी से धोखा और फरेब होगा।

© 2024, Mohan Astrology. All Rights Reserved. Contact Us: 09313131395

लाल किताब संहिता Lal Kitab Samhita

साले, जंवाई, दोहता या सामान्य कुत्ते. दरवेश आदि की सेवा सहायक होगी।
दूसरे भाई–बंधुओं की सलाह लेना नेक नतीजे देगा।
नाक छेदन उत्तम होगा, जर्द पीली चीज़ों और सोने का साथ शुभ रहेगा।
जेलखाना, पागलखाना, चोरी और आग की घटनाओं से बचने के लिए फौलाद का छल्ला जिसको जोड़ या टांका न लगा हो पहनना शुभ होगा। किन्तु ख्याल रहे कि यह छल्ला किसी से मुफत न लिया जाए वरना फायदा न होगा।
माथे पर केसर का तिलक लगाना भी सहायक होगा। किन्तु अपने राख का तिलक लगाना पिता पर भारी होगा।
खाली बर्तन या कोरा घड़ा आदि नदी या नहर में बहाना सहायक होगा।
आपको अपनी जान की रक्षा के लिए ये उपाय पहले करना सहायक होगा। वरना शरीर के किसी अंग के कटने पर मेंढक की तरह छलांगे लगाकर चलना पड़ेगा।
जुबान का काबू रखना वायदे को पूर करना गुस्से की आग से दूर रहना कष्ट से बचाएगा।
अण्डे, खिलौने दक्षिण--पूर्व में न रखें।

© 2024, Mohan Astrology. All Rights Reserved. Contact Us: 09313131395

लाल किताब संहिता Lal Kitab Samhita

Manda Planet with Remedies of Birth Horoscope

BOY

- केतु मंदा हो तो दो रंगा पत्थर कायम करें (वृहस्पति की तरह उपाय करें)। लड़की का संकल्प करने की ठीक उसी समय बाद में दो रंगा पत्थर लहसुनिया के दो टुकड़े बराबर वज़न के एक जैसे ठीक उसी तरह दान किये जायें जैसे कि लड़की का, फिर उनमें से एक टुकड़ा पानी में बहा दिया जायें और दूसरा लड़की सारी आयु अपने पास रखें, किसी कीमत पर भी उसें बेच न खाये । केतु के मंदे असर से बचाव होता रहेगा । ऐसा टुकड़ा चोर चुरा नहीं सकते, यदि किसी कारण दो रंगा पत्थर गुम हो जाये तो और दो रंगा पत्थरे का टुकड़ा बना लें । दोबारा नदीं में बहाने की जरूरत नहीं । यदि दो रंगा पत्थर न मिले तो केसर की दो पुड़िया या हल्दी को दो गठियां ऊपर ढंग से कायम करें । परन्तु दो रंगा पत्थर मिल जाये तो बहुत ठीक हैं ।यदि सुच्चा मोती न मिले तो चांदी, चावल और मनुष्य के भार के बराबर दरिया, नदी, नाले का पानी शादी के समय घर में कायम रखें ।

- बुध मंदा हो तो हीरा लें, न मिले सीप लेंगे । लड़की का संकल्प करने की ठीक उसी समय बाद में सीप या हीरा लें, के दो टुकड़े बराबर वज़न के एक जैसे ठीक उसी तरह दान किये जायें जैसे कि लड़की का, फिर उनमें से एक टुकड़ा पानी में बहा दिया जायें और दूसरा लड़की सारी आयु अपने पास रखें, किसी कीमत पर भी उसें बेच न खाये । बुध के मंदे असर से बचाव होता रहेगा । ऐसा टुकड़ा चोर चुरा नहीं सकते, यदि किसी कारण सीप या हीरा गुम हो जाये तो और सीप या हीरो का टुकड़ा बना लें । दोबारा नदीं में बहाने की जरूरत नहीं । यदि सीप या हीरा न मिले तो केसर की दो पुड़िया या हल्दी को दो गठियां ऊपर ढंग से कायम करें । परन्तु सीप या हीरा मिल जाये तो बहुत ठीक हैं ।यदि सुच्चा मोती न मिले तो चांदी, चावल और मनुष्य के भार के बराबर दरिया, नदी, नाले का पानी शादी के समय घर में कायम रखें ।

- राहु मंदा हो तो चंद्र वाला उपाय करेंगें यह ध्यान रहे कि मंदे राहु के समय कभी नीलम की अंगूठी नहीं देनी वरना दुल्हा–दुल्हन के जबरदस्त हाथी पुरानी खंदकों में घिर जाते हैं । लड़की का संकल्प करने की ठीक उसी समय बाद में सुच्चा मोती के दो टुकड़े बराबर वज़न के एक जैसे ठीक उसी तरह दान किये जायें जैसे कि लड़की का, फिर उनमें से एक टुकड़ा पानी में बहा दिया जायें और दूसरा लड़की सारी आयु अपने पास रखें, किसी कीमत पर भी उसें बेच न खाये । राह के मंदे असर से बचाव होता रहेगा । ऐसा टुकड़ा चोर चुरा नहीं सकते, यदि किसी कारण सोना गुम हो जाये तो और सोने का टुकड़ा बना लें । दोबारा नदीं में बहाने की जरूरत नहीं । यदि सोना न मिले तो केसर की दो पुड़िया या हल्दी को दो गठियां ऊपर ढंग से कायम करें । परन्तु सोना मिल जाये तो बहुत ठीक हैं ।यदि सुच्चा मोती न मिले तो चांदी, चावल और मनुष्य के भार के बराबर दरिया, नदी, नाले का पानी शादी के समय घर में कायम रखें ।

- चंद्र मंदा हो तो लड़की का संकल्प करने की ठीक उसी समय बाद में सुच्चा मोती के दो

© 2024, Mohan Astrology. All Rights Reserved. Contact Us: 09313131395

लाल किताब संहिता Lal Kitab Samhita

टुकड़े बराबर वज़न के एक जैसे ठीक उसी तरह दान किये जायें जैसे कि लड़की का, फिर उनमें से एक टुकड़ा पानी में बहा दिया जायें और दूसरा लड़की सारी आयु अपने पास रखें, किसी कीमत पर भी उसें बेच न खाये । चंद्र के मंदे असर से बचाव होता रहेगा । ऐसा टुकड़ा चोर चुरा नहीं सकते, यदि किसी कारण सुच्चा मोती गुम हो जाये तो और सुच्चा मोती का टुकड़ा बना लें । दोबारा नदीं में बहाने की जरूरत नहीं । यदि सुच्चा मोती न मिले तो केसर की दो पुड़िया या हल्दी को दो गठियां ऊपर ढंग से कायम करे । परन्तु सुच्चा मोती मिल जाये तो बहुत ठीक हैं ।यदि सुच्चा मोती न मिले तो चांदी, चावल और मनुष्य के भार के बराबर दरिया, नदी, नाले का पानी शादी के समय घर में कायम रखें ।

GIRL

- शुक्र मंदा हो तो लड़की का संकल्प करने की ठीक उसी समय बाद गें सुच्चा मोती के दो टुकड़े बराबर वज़न के एक जैसे ठीक उसी तरह दान किये जायें जैसे कि लड़की का, फिर उनमें से एक टुकड़ा पानी में बहा दिया जायें और दूसरा लड़की सारी आयु अपने पास रखें, किसी कीमत पर भी उसें बेच न खाये । शुक्र के मंदे असर से बचाव होता रहेगा । ऐसा टुकड़ा चोर चुरा नहीं सकते, यदि किसी कारण सुच्चा मोती गुम हो जाये तो और सुच्चा मोती का टुकड़ा बना लें । दोबारा नदीं में बहाने की जरूरत नहीं । यदि सुच्चा मोती न मिले तो केसर की दो पुड़िया या हल्दी को दो गठियां ऊपर ढंग से कायम करें । परन्तु सुच्चा मोती मिल जाये तो बहुत ठीक हैं ।यदि सुच्चा मोती न मिले तो चांदी, चावल और मनुष्य के भार के बराबर दरिया, नदी, नाले का पानी शादी के समय घर में कायम रखें ।

- चंद्र मंदा हो तो लड़की का संकल्प करने की ठीक उसी समय बाद में सुच्चा मोती के दो टुकड़े बराबर वज़न के एक जैसे ठीक उसी तरह दान किये जायें जैसे कि लड़की का, फिर उनमें से एक टुकड़ा पानी में बहा दिया जायें और दूसरा लड़की सारी आयु अपने पास रखें, किसी कीमत पर भी उसें बेच न खाये । चंद्र के मंदे असर से बचाव होता रहेगा । ऐसा टुकड़ा चोर चुरा नहीं सकते, यदि किसी कारण सुच्चा मोती गुम हो जाये तो और सुच्चा मोती का टुकड़ा बना लें । दोबारा नदीं में बहाने की जरूरत नहीं । यदि सुच्चा मोती न मिले तो केसर की दो पुड़िया या हल्दी को दो गठियां ऊपर ढंग से कायम करें । परन्तु सुच्चा मोती मिल जाये तो बहुत ठीक हैं ।यदि सुच्चा मोती न मिले तो चांदी, चावल और मनुष्य के भार के बराबर दरिया, नदी, नाले का पानी शादी के समय घर में कायम रखें ।

- बुध मंदा हो तो हीरा लें, न मिले सीप लेंगे । लड़की का संकल्प करने की ठीक उसी समय बाद में सीप या हीरा लें, के दो टुकड़े बराबर वज़न के एक जैसे ठीक उसी तरह दान किये जायें जैसे कि लड़की का, फिर उनमें से एक टुकड़ा पानी में बहा दिया जायें और दूसरा लड़की सारी आयु अपने पास रखें, किसी कीमत पर भी उसें बेच न खाये । बुध के मंदे असर से बचाव होता रहेगा ! ऐसा टुकड़ा चोर चुरा नहीं सकते, यदि किसी कारण सीप या हीरा गुम हो जाये तो और सीप या हीरा का टुकड़ा बना लें । दोबारा नदीं में बहाने की जरूरत नहीं । यदि सीप या हीरा न मिले तो केसर की दो पुड़िया या

© 2024, Mohan Astrology. All Rights Reserved. Contact Us: 09313131395

लाल किताब संहिता Lal Kitab Samhita

हल्दी को दो गठियां ऊपर ढंग से कायम करें । परन्तु सीप या हीरा मिल जाये तो बहुत ठीक हैं ।यदि सुच्चा मोती न मिले तो चांदी, चावल और मनुष्य के भार के बराबर दरिया, नदी, नाले का पानी शादी के समय घर में कायम रखें ।

लाल किताब संहिता Lal Kitab Samhita

© 2024, Mohan Astrology. All Rights Reserved. Contact Us: 09313131395